[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 3804 **FC-2** आपका अनुक्रमांक.....

Unique Paper Code : 52051222

Name of the Paper : MIL, Hindi 'B' 'हिन्दी भाषा और साहित्य' - (ख)

Name of the Course : **B.Com. (Programme)**

Semester : II (CBCS)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोइ।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होइ ।।

अथवा

उतरि ठाढ़ भए सुरसरि रेता। सीय रामु गुह लखन समेता ।।
केवट उतरि दंडवत कीन्हा। प्रभुहि सकुच एहि नहिं कछु दीन्हा ।।
पिय हिय की सिय जाननिहारी। मनि मुदरी मन मुदित उतारी ।।
कहेउ कृपाल लेहि उतराई। केवट चरन गहे अकुलाई ।। (10)

(ख) या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यौं-ज्यौं बूड़ै स्याम रंग, त्यौं-त्यौं उज्जलु होइ ।।

अथवा

इंद्र जिमि जंभ पर, बाड़व सुअंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन वारिवाह पर, संभु रतिनाह पर, ज्यों सहस्त्रबाहु पर राम द्विजराज है ।।
दावा द्रुमदंड पर, चीता मृगझुंड पर, भूषन वितुंड पर जैसे मृगराज है।
तेज तम-अंस पर, कान्ह जिमि कंस पर, यौं मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है ।। (10)

P.T.O.

(ग) प्रभु ईसा की क्षमाशीलता
नबी मुहम्मद का विश्वास ।
जीव दया जिनवर गौतम की
आओ देखो इसके पास ।।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर;
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे ।
वर दे, वीणावादिनी वर दे! (10)

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** का साहित्यिक परिचय दीजिए :

(क) बिहारी;

(ख) सुभद्रा कुमारी चौहान । (10)

3. आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहे को मुख्य आधार बनाते हुए कबीर-काव्य में वर्णित गुरू के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'केवट-प्रसंग' में तुलसीदास द्वारा वर्णित केवट के चरित्र की विशेषताएँ बताइए । (10)

4. 'बालिका का परिचय' कविता के आधार पर बताइए कि माँ के जीवन में बालिका का क्या स्थान है ?

अथवा

'वर दे, वीणावादिनी वर दे' कविता के आधार पर निराला की काव्य-भाषा पर सोदाहरण टिप्पणी लिखिए । (10)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5,5,5)

(i) हिंदी भाषा का उद्भव;
(ii) पश्चिमी हिंदी क्षेत्र की बोलियाँ;
(iii) राम-काव्य की विशेषताएँ;
(iv) रीतिकालीन काव्य की विशेषताएँ;
(v) छायावाद के प्रमुख कवि;
(vi) प्रगतिवाद ।

(900)